BMAF-001

Bachelor's Degree Programme (BDP)

Assignment

(for July-2023 and January-2024 sessions)

Foundation Course in Maithili (BMAF-001)

Last Date : 31.3.2024 for July-2023 session &
Last Date : 30.9.2024 for January-2024 session

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

School of Humanities
Indira Gandhi National Open University
Maidan Garhi, New Delhi-110068

मैथिलीमे आधार पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य

खंड 1 सँ 4 पर आधारित

Assignemnt for 2023-24

सत्रीय कोड : :

कुल अंक : 100

सभ प्रश्नक उत्तर दिअ।

1. निम्नलिखित वाक्यमे सँ सही (√) आ गलत (×) द्वारा स्पष्ट करू जे कोन वाक्य सही आ कोन वाक्य गलत अछि। 5

(क) भोजपत्रक उपयोग छपाइक हेतु होयत छल।

(ख) बजबाक भाषा आ लिखबाक भाषाक स्वरूपमे कोनो अन्तर नहि होयत अछि।

(ग) लिपि सँ विचार कें स्थायित्व भेटैत अछि।

(घ) वैद्यनाथ मिश्रक उपनाम 'यात्री' थिकनि।

(ङ.) अरबी लिपि दहिन सँ बाम दिस लिखल जायत अछि।

2. निम्नलिखित शब्दक शुद्ध रूप लिखू– 5

(क) दूर्गासप्तसती

(ख) कमपयूटर

(ग) मीथिलाक्षर

(घ) वरेन्य

(ङ.) उदाहरनार्थ

3. निम्नलिखित शब्दमे उपसर्ग निर्दिष्ट करू 5

(क) सुदीन

(ख) बेकल

(ग) सुगंध

(घ) सुमन

(ङ.) निर्धिन

4. निम्नलिखित शब्दमे प्रत्यय देखाउ 5

(क) चलता

(ख) नवता

(ग) प्रभुता

(घ) एकता

(ङ.) देवता

5. निम्नलिखित लोकोक्ति आ मोहाविराक सभक प्रयोग वाक्य बना कS करू 5

(क) डुमरीक फूल होयब

(ख) दूरक ढोल सोहाओन

(ग) जकर लाठी तकर महींस

(घ) भण्डा फूटब

(ङ.) शेखी झाड़ब

6. निम्नलिखित मे सँ कोनो तीन पर एक–एक सय शब्दमे लिखू– 10

(क) मिथिलाक्षर

(ख) चन्दा झा

(ग) काशीकान्त मिश्र 'मधुप'

(घ) वर्तनी

(ङ.) विद्यापतिक गीतिकाव्य

7. निम्नलिखित में सँ कोनो एक पर तीन सय शब्दमे निबन्ध लिखू– 10

(क) तिरहुताक महत्व

(ख) स्थापत्य कला

(ग) शब्दकोशक उपयोग

(घ) पाबनि–तिहार

(ङ.) अनुवादक महत्व

8. निम्नलिखित प्रश्नक उत्तर द्–द् सय शब्द में लिखू– 10x2=20

(क) 'पियर आँकुरक' आशय लिखू।

(ख) 'चुट्टीसँ कविताक भावार्थ स्पष्ट करू।

9. प्रस्तुत पद्यांशक सप्रसंग व्याख्या करू– 10

पाबि सिहकी रात्रिशेषक
टब्म दए खसि पड़त चुप्पेचाप
के कहओ, लगतैक ककरा हाथ
किछु होअओ, भावीक चिन्ता नहि करी

एखन तँ झरकल नयनकँ जुड़ा ली तत्काल
दिव्य ओ अभिराम
करइ अछि आकृष्ट मनकँ
डारिपर लटकल सिनुरिआ आम।

अथवा

'लेल अयोध्या हरि अवतार।
चारि अंश युत राम उदार।।
लक्ष्मी अयलिह मिथिला भूमि।
ऋद्धि–सिद्धि संग लयलिह जूमि।।

अथवा

कन्यादान करब तेहने ठाँ पढ़य ने गौआँ गारि
गोलेदारक वा मरबाड़िक बढ़ल जाइछ जँ कर्ज

10. कोनो एक कविक साहित्यिक परिचय दिअ– 10

(क) लालदास

(ख) 'सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(ग) वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'

11. संदर्भ सहित व्याख्या करू। 10

–एहि युगमे भ्रष्टक उदय छैक। जे स्वयं भ्रष्टा रहैत अछि से सभकेँ अपने सन बनाबय चाहैत अछि। ओ आबिकs सौंसे गामक स्त्रीगण केँ दूरि कय छोड़ि देत। तखन कि एकोटा बेटी–पुतोहु कथा मानत ? ओकरा 'ग्रामसेविका' नहि 'ग्रामशोधिका' बुझू।

अथवा

एक दिन सम्पूर्ण गामक लोक आँखि खोलिकअ देखि लेलैन्ह जे नारी–समाजक सामूहिक शक्ति केहेने होइ छैक। विमला देवीक नेतृत्वमे गामक समस्त बेटी–पुतोहु आँचर कसने श्रमदान द्वारा महिला–पुस्तकालयक नेव देबय जा रहल अछि। बूढ़ लोकनिक मुँह तेहन भड गेलैन्ह जेना केओ चिरैताक काढ़ा पिया देने होइन्ह।

12. मिथिलाक्षरमे लिखू– 5

"दही–चूड़ा–चीनी "। एहि सँ उत्कृष्ट भोजन भइये की सकैत अछि ? पृथ्वी पर मधुर, अन्न ओ गोरस–इएह तीन टा भोज्य पदार्थ सर्वोपरि।

****